**Publication: Navbharat Times**

**Headline: Investors stay away from Market with fall in Gold and Silver rates**

**Edition: Mumbai / Delhi**

**Date: 7th May, 2011**

**Coverage –**

### अक्षय तृतीया पर खास ग्राहकी नहीं

# चांदी और सोने में भारी गिरावट से खरीदार मार्केट से दूर रहे

*चांदी और टूट सकती है*

नंदकिशोर भारतीय

**मुंबई।** शुक्रवार को अक्षय तृतीया थी लेकिन देश के सबसे बड़े सोने-चांदी के बाजार झवेरी मार्केट में ऐसा कुछ दिखाई नहीं दे रहा था कि लगे कि वास्तव में अक्षय तृतीया है। ज्यादातर शोरूम भीड़ भरे नहीं थे, बाजार में ज्यादा चहल-

पहल नहीं थी। ग्राहक भाव पूछकर चुप हो जा रहे थे और ज्यादा कुरेदने पर यही बोल रहे थे 'अभी महंगा है। थोड़ा और गिरने दो। फिर खरीदेंगे'।

गौरतलब है कि अक्षय तृतीया को सोना-चांदी खरीदना शुभ माना जाता है। लेकिन भावों के अभी भी ज्यादा होने और उसमें भारी करेक्शन आने के अनुमान को देखते हुए कारोबारियों और ग्राहकों ने केवल 'सगुन' के तौर पर मामूली खरीद की। शुक्रवार को चांदी की कीमतें 6000 रु. और गिरकर 53,200 रु. रह गई। ऐनालिस्ट कह रहे हैं कि जब इसकी कीमतें 45 हजार रु. के आसपास आ जाएंगी तब लॉन्ग टर्म के लिए खरीदेंगे। चांदी में 1983 के बाद सबसे ज्यादा साप्ताहिक गिरावट रही है।

ग्लोबल मार्केट में चांदी की कीमतें 12.01 पर्सेंट गिरकर 34.66 औंस रह गई। एक औंस में करीब 33 ग्राम होते हैं। इस सप्ताह चांदी 28 पर्सेंट गिर गई है और सोना न्यू यॉर्क में 43.40 डॉलर गिरकर 1473.10 डॉलर प्रति औंस रह गया है।

**क्या चांदी में उबाल था?**

इन्वेस्टमेंट फर्म बीएनपी परिबास के ऐनालिस्ट स्टीफन के अनुसार, हां लगता तो यही है। चांदी के भाव बढ़ने की वजह सोने के भावों के बढ़ने जितनी मजबूत नहीं थी। भावों में गिरावट का दौर शिकागो मर्केंटाइल एक्सचेंज ग्रुप द्वारा मार्जिन बढ़ाने से हुई जिससे कारोबारी लागत बढ़ गई। चांदी का फिजिकल स्टॉक भी कम हुआ। आईशेयर्स सिल्वर ट्रस्ट जो दुनिया का सबसे बड़ा ईटीएफ है की होल्डिंग में 1 करोड़ 53 लाख औंस चांदी का स्टॉक कम हो गया। 2006 के बाद यह किसी एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट है। 25 अप्रैल को उसके पास 11,390.6 टन चांदी थी। इसी दिन चांदी के भाव 31 सालों के सर्वाधिक स्तर पर थे।

**अनेक वस्तुओं की कीमतें गिरी**

स्टैंडर्ड ऐंड पूअर का जीएससीआई इन्डेक्स जो 24 वस्तुओं का है शुक्रवार को 6.5 पर्सेंट टूट गया क्योंकि ग्लोबल मार्केट में यही भय है कि वस्तुओं के भावों में लगातार वृद्धि और ब्याज दरों के मजबूत होने से इकनॉमी मंदी की दलदल में फंस सकती है। इस डर से अनेक वस्तुओं की बिक्री जोरों से हुई। कच्चा तेल इसी कारण गिर गया है। यही हाल सोने का हुआ। प्लेटिनम की कीमतें 1817.25 अमेरिकी डॉलर से गिरकर 1,797.99 डॉलर औंस और पैलेडियम की कीमतें 743.50 डॉलर से गिरकर 728.72 डॉलर प्रति औंस रह गई हैं।

**चांदी-सोने में और करेक्शन आएगा: जिम रोजर्स**

दुनिया में चांदी-सोने की प्रमुख फर्म रोजर्स होल्डिंग के चेयरमैन जिम रोजर्स के अनुसार, आने वाले दिनों में चांदी और सोने की कीमतों में और कमी आ सकती है। वे मानते हैं कि इस सप्ताह सोने-चांदी की कीमतों में जो गिरावट आई है वह सामान्य है और ऐसे ही मार्केट चलता है। अभी मैं स्थिति पर नजर रखे हुए हूं। गौरतलब है कि पिछले एक सप्ताह में सोने में 5 पर्सेंट, चांदी में 30 पर्सेंट और कच्चे तेल में 15 पर्सेंट करेक्शन आ चुका है। इन वस्तुओं की कीमतों में और कमी आ सकती है।

**पिछले तीन सालों में अक्षय तृतीया पर चांदी-सोने के भाव**

| वर्ष | सोना | चांदी |
|---|---|---|
| 27.4.09 | 14,830 रु | 21960रु किलो |
| 16.5.10 | 18215रु. | 29810रु किलो |
| 20.5.11 | 21685रु. | 54305रु |

**एमसीएक्स में वायदा भाव नरम रहे**

देश के सबसे बड़े कमोडिटी एक्सचेंज एमसीएक्स में सोने व चांदी के वायदा भाव नरम रहे। पिछले पांच दिनों से इन वायदा भावों में नरमी बरकरार है। सोने का जून वायदा 36 रु. सस्ता होकर 21702 रु प्रति दस ग्राम पर बंद हुआ जबकि चांदी जुलाई 2840 रु लुढ़ककर 52447 रु प्रति किलो रही। सोने के एक ग्राम का गोल्ड पेटल मई वायदा 6 रु. घटकर 2218 रु. पर बंद हुआ। जबकि सोने का सिक्का मई 69 रु. गिरकर 17403 रु प्रति 8 ग्राम पर बंद हुआ।

**चांदी 45,000 रु.तक मिल सकती है**

एनएसईएल के प्रमुख अंजनी सिन्हा ने 'एनबीटी' को बताया कि 'अक्षय तृतीया को सोने-चांदी का मार्केट अच्छा रहा। सोने-चांदी की कीमतों में काफी कमी होने से जहां सट्टेबाजों या कारोबारियों को नुकसान हुआ वहीं रीटेल निवेशकों के लिए यह गिरावट अपनी कॉस्ट को एवरेज करने का सुनहरा मौका है। 10-15 दिनों में चांदी की कीमतें 45,000 रु. किलो तक मिल सकती हैं। इसके बाद ये धीरे-धीरे बढ़ेंगी और दीवाली तक इसकी कीमतें बढ़कर 75,000 रु. किलो हो सकती हैं। चांदी अक्षय तृतीया पर खूब टूटी और काफी वोलेटाइल भी रही। कारोबारी सत्र में लोअर सर्किट लगा। बाद में वह खुल गया लेकिन मेरा मानना है कि यह फिर लग सकता है। लेकिन सोने में ऐसा नहीं है। सोना दीवाली तक 23 हजार रु. हो सकता है। वे मानते हैं कि रीटेल निवेशकों को चांदी की बजाए सोने में निवेश करना चाहिए।

**गीतांजली ग्रुप**

ब्रैंडेड जूलरी सेक्टर की सबसे बड़ी कंपनी गीतांजली ग्रुप को अनुमान है कि उसके ग्रुप ने अक्षय तृतीया के दिन 50 करोड़ रु. के सोने के सिक्के और जूलरी की मार्केटिंग की है। पिछले साल कंपनी ने अपने 40 स्टोर्स की मार्फत 25 करोड़ रु. की बिक्री की थी। कंपनी के एमडी संतोष श्रीवास्तव के अनुसार, इस बार स्टोर्स की संख्या बढ़कर 65 हो गई है और सोने की कीमत भी बढ़ गई है। कंपनी ने सोने की बढ़ती भूख को शांत करने के लिए 1 किलो का सोने का सिक्का लॉन्च किया। कंपनी को 6 मई को ऐसे 100 सिक्के बेचने का अनुमान है।

सोने-चांदी के होलसेल बिजनेस की बड़ी फर्म **रिद्धी सिद्धी बुलियन लि** (आरएसबीएल) ने शुक्रवार को जहां 250 किलो सोना और 2100 किलो चांदी की बिक्री की। फर्म के प्रमुख पृथ्वीराज कोठारी के अनुसार, यह बिक्री पिछले साल के मुकाबले 15 से 20 पर्सेंट ज्यादा है। उनका कहना है कि इस वृद्धि का कारण यह है कि पिछले कुछ समय में इन्वेस्टरों में गोल्ड ईटीएफ खूब लोकप्रिय हुए हैं।